भूतनाथ का असलियत-:

By 💖 Prakash Ji 💖

आदरणीय प्यारे मित्रों तथा गुरुजनों भूतनाथ शब्द हो या फिर भूतेश्वर शब्द हो या फिर भूतपति शब्द हो यह भगवान शिव के अनेक नाम में से एक नाम है। आजकल के तथाकथित पाखंडी कथावाचक इस नाम को ऐसे ही परोषें हैं कि..... जैसे ही भूतनाथ शब्द या भूतेश्वर शब्द हमारे जिव्हा में आ जा रहा है तो हमारे मानस पटल में शमशान की भूत प्रेत का संस्मरण हो रहा है..... और साथ में श्मशान में बैठे शिवजी का....। पर यह नाम सुनते ही यही विचार ही हमारे मन में क्यों आ रहा है क्योंकि आजकल के तथाकथित पाखंडी कथावाचक इस नाम को ऐसे ही परोषे हैं......। पर मैं आप लोगों को एक बात बता देना चाहता हूं कि यह अर्ध सत्य है। सर्वप्रथम वेदों में भगवान शिव के लिए जब भूतपति शब्द का उपयोग किया गया है वहां पर भूतपति का मतलब संपूर्ण प्राणियों के जो अधिपति हैं स्वामी हैं....

भवाशर्वौ मृडतं माभि यातं भूतपती पशुपती नमो वाम्।

प्रतिहितामायतां मा वि स्राष्टं मा नो हिंसिष्टं द्विपदो मा चतुष्पदः ॥

11/2/1 अथर्ववेद

इसके अलावा और भी प्रमाण है जैसे की.....

"ईशानः सर्वविद्यानामीश्वरः सर्वभूतानां"

अर्थात जो सभी विद्याओं के ईशान हैं और सभी भूतों यानी कि सभी प्राणियों के ईश्वर हैं.........इसके अलावा भूत पति भूतनाथ का और भी एक अर्थ है जो पंचमहाभूतों के स्वामी हैं..... जल अग्नि आकाश वायु पृथ्वी यह पंचमहाभूत जिनकी अधीन हैं..... इसका दूसरा अर्थ यह है कि जो पंचमहाभूत को संचालित करने के लिए आत्मा के रूप में शरीर मात्र में स्थित है। सोहं शिवोहम का जो प्रतीक है.. वह भूतनाथ है भूतपति है भूतेश्वर हैं। और केवल भूत-प्रेत पिशाच का हो नाथ नहीं है वह सब के नाथ हैं..... इसीलिए तो कहा गया है कि सर्वनाथं भजामी....... पर आजकल के कुछ सांप्रदायिक तथा कथित पाखंडी कथावाचक भूतनाथ शब्द का केवल मात्र भूत प्रेत से जोड़कर ही उपयोग करते हैं ताकि लोगों को हो लोक शिवजी का केवल मात्र एक बैरागी स्वरूप को दिखा पाएं, जो केवल भगवान शिव लीला बस कभी धारण करते हैं..... और परमात्मा शिव का उस स्वरूप से लोगों को अनभिज्ञ कर दिया जाए..... परमात्मा शिव का उस परम सत्य से लोगों को छिपा दिया जाए..... जो परमात्मा शिव का मूल वास्तविक तत्व है..... परमात्मा शिव तो अनेक लीला करते रहते हैं पर हो स्वयं परम ब्रह्म परमात्मा हैं...."ईशानः सर्वविद्यानामीश्वरः सर्वभूतानां"आदि वाक्य से उन्हें वेद प्रतिपादित करता है...... । एक बैरागी स्वरूप को दिखाकर उनका परम ब्रह्म स्वरूप को छिपाने का पूर्ण कोशिश किया जाता है पाखंडी कथावाचकों के द्वारा। इससे हर एक शिवभक्त को बचाना चाहिए।